



Manish

16 Aug 1994

09:50 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121447904

लिंग \_\_\_\_\_: पुल्लिंग  
जन्म तिथि \_\_\_\_\_: 16/08/1994  
दिन \_\_\_\_\_: मंगलवार  
जन्म समय \_\_\_\_\_: 21:50:47 घंटे  
इष्ट \_\_\_\_\_: 40:00:23 घटी  
स्थान \_\_\_\_\_: Delhi  
देश \_\_\_\_\_: India

अक्षांश \_\_\_\_\_: 28:39:00 उत्तर  
रेखांश \_\_\_\_\_: 77:13:00 पूर्व  
मध्य रेखांश \_\_\_\_\_: 82:30:00 पूर्व  
स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_: -00:21:08 घंटे  
ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_: 00:00:00 घंटे  
स्थानिक समय \_\_\_\_\_: 21:29:39 घंटे  
वेलान्तर \_\_\_\_\_: -00:04:20 घंटे  
साम्पातिक काल \_\_\_\_\_: 19:08:58 घंटे  
सूर्योदय \_\_\_\_\_: 05:50:37 घंटे  
सूर्यास्त \_\_\_\_\_: 18:59:46 घंटे  
दिनमान \_\_\_\_\_: 13:09:09 घंटे  
सूर्य स्थिति(अयन) \_\_\_\_\_: दक्षिणायन  
सूर्य स्थिति(गोल) \_\_\_\_\_: उत्तर  
ऋतु \_\_\_\_\_: वर्षा  
सूर्य के अंश \_\_\_\_\_: 29:47:03 कर्क  
लग्न के अंश \_\_\_\_\_: 00:26:10 मेष

#### अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति \_\_\_\_\_: मेष - मंगल  
राशि-स्वामी \_\_\_\_\_: धनु - गुरु  
नक्षत्र-चरण \_\_\_\_\_: मूल - 1  
नक्षत्र स्वामी \_\_\_\_\_: केतु  
योग \_\_\_\_\_: विष्कुम्भ  
करण \_\_\_\_\_: वणिज  
गण \_\_\_\_\_: राक्षस  
योनि \_\_\_\_\_: श्वान  
नाड़ी \_\_\_\_\_: आद्य  
वर्ण \_\_\_\_\_: क्षत्रिय  
वश्य \_\_\_\_\_: मानव  
वर्ग \_\_\_\_\_: मृग  
युँजा \_\_\_\_\_: अन्त्य  
हंसक \_\_\_\_\_: अग्नि  
जन्म नामाक्षर \_\_\_\_\_: ये-येरुसलम  
पाया(राशि-नक्षत्र) \_\_\_\_\_: रजत - ताम्र  
सूर्य राशि(पाश्चात्य) \_\_\_\_\_: सिंह

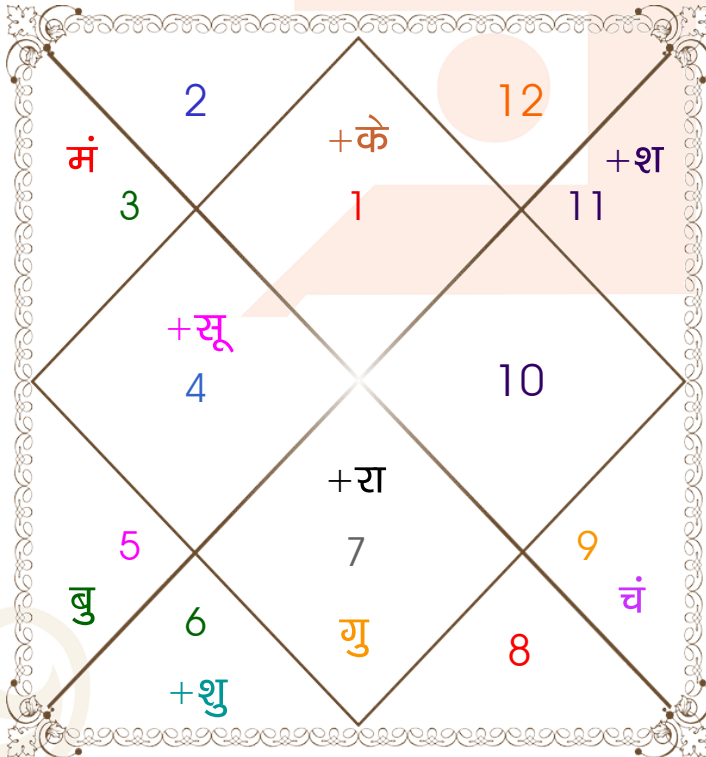
## ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	00:26:10	490:24:47	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	केतु	---
सूर्य			कर्क	29:47:03	00:57:40	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	मित्र राशि
चंद्र			धनु	01:35:57	13:56:46	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	सम राशि
मंगल			मिथु	06:08:05	00:39:18	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	चंद्र	शत्रु राशि
बुध		अ	सिंह	03:34:44	01:58:01	मघा	2	10	सूर्य	केतु	सूर्य	मित्र राशि
गुरु			तुला	13:54:38	00:07:19	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			कन्या	15:35:29	01:00:41	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	नीच राशि
शनि		व	कुंभ	16:25:06	00:04:16	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	मूलत्रिकोण
राहु		व	तुला	25:17:33	00:03:48	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	मित्र राशि
केतु		व	मेष	25:17:33	00:03:48	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	मित्र राशि
हर्ष		व	धनु	29:25:40	00:01:58	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	---
नेप		व	धनु	27:20:34	00:01:18	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	---
प्लूटो			वृश्चि	01:31:32	00:00:22	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
दशम भाव			धनु	22:06:29	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	शनि	--

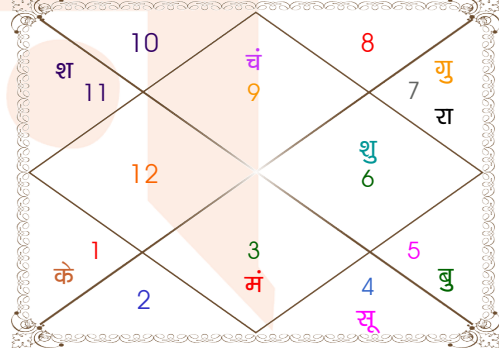
व - वकी स - स्थिर  
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त  
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:09

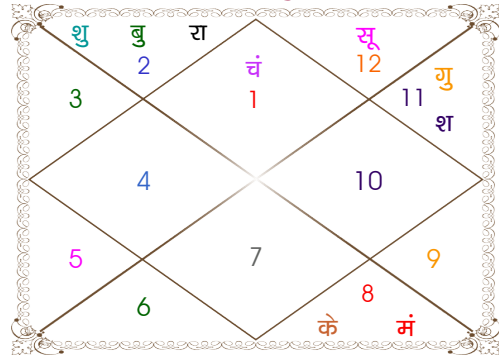
### लग्न-चलित



### चन्द्र कुंडली



### नवमांश कुंडली



## विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 6 वर्ष 1 मास 28 दिन

केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष
16/08/1994	14/10/2000	14/10/2020	14/10/2026	14/10/2036
14/10/2000	14/10/2020	14/10/2026	14/10/2036	14/10/2043
16/08/1994	शुक्र 13/02/2004	सूर्य 31/01/2021	चंद्र 14/08/2027	मंगल 12/03/2037
शुक्र 12/05/1995	सूर्य 12/02/2005	चंद्र 02/08/2021	मंगल 14/03/2028	राहु 30/03/2038
सूर्य 17/09/1995	चंद्र 14/10/2006	मंगल 08/12/2021	राहु 13/09/2029	गुरु 06/03/2039
चंद्र 17/04/1996	मंगल 14/12/2007	राहु 01/11/2022	गुरु 13/01/2031	शनि 14/04/2040
मंगल 13/09/1996	राहु 14/12/2010	गुरु 20/08/2023	शनि 14/08/2032	बुध 11/04/2041
राहु 02/10/1997	गुरु 14/08/2013	शनि 01/08/2024	बुध 13/01/2034	केतु 07/09/2041
गुरु 07/09/1998	शनि 14/10/2016	बुध 08/06/2025	केतु 14/08/2034	शुक्र 07/11/2042
शनि 17/10/1999	बुध 14/08/2019	केतु 14/10/2025	शुक्र 14/04/2036	सूर्य 15/03/2043
बुध 14/10/2000	केतु 14/10/2020	शुक्र 14/10/2026	सूर्य 14/10/2036	चंद्र 14/10/2043

राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष
14/10/2043	14/10/2061	14/10/2077	14/10/2096	15/10/2113
14/10/2061	14/10/2077	14/10/2096	15/10/2113	00/00/0000
राहु 26/06/2046	गुरु 02/12/2063	शनि 17/10/2080	बुध 12/03/2099	केतु 13/03/2114
गुरु 19/11/2048	शनि 14/06/2066	बुध 27/06/2083	केतु 09/03/2100	शुक्र 17/08/2114
शनि 26/09/2051	बुध 19/09/2068	केतु 05/08/2084	शुक्र 08/01/2103	00/00/0000
बुध 14/04/2054	केतु 26/08/2069	शुक्र 05/10/2087	सूर्य 15/11/2103	00/00/0000
केतु 03/05/2055	शुक्र 26/04/2072	सूर्य 16/09/2088	चंद्र 15/04/2105	00/00/0000
शुक्र 03/05/2058	सूर्य 12/02/2073	चंद्र 17/04/2090	मंगल 12/04/2106	00/00/0000
सूर्य 27/03/2059	चंद्र 14/06/2074	मंगल 27/05/2091	राहु 30/10/2108	00/00/0000
चंद्र 25/09/2060	मंगल 21/05/2075	राहु 02/04/2094	गुरु 05/02/2111	00/00/0000
मंगल 14/10/2061	राहु 14/10/2077	गुरु 14/10/2096	शनि 15/10/2113	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 6 वर्ष 1 मा 29 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

## लग्न फल

आपका जन्म अश्विनी नक्षत्र के प्रथम चरण में मेष लग्न, मेष नवमांश एवं मेष राशि के द्रेष्काण में हुआ था। अस्तु यह जन्म वर्गोत्तम सूचक एवं अति उत्तम जन्म फल का सृजन कर रहा है।

परिणाम स्वरूप आप व्यक्तिगत रूप से स्वनिर्मित, साहसी, उत्सुक, किसी भी योजना को कार्यान्वित करने वाले, किसी भी चुनौती को स्वीकार करने वाले, किसी भी कार्य को शक्ति प्रदान करने वाले अथवा बिना किसी भी सहयोग के विभिन्न प्रकार के कार्यों को कार्यान्वित करने वाले हैं। आप बुनियादी रूप से एक विशेष व्यक्तित्व प्राप्त, अपने उद्देश्य में संलग्न रहने वाले, अपनी योजनाओं को कार्य रूप देने वाले, महत्वाकांक्षी, परिश्रमी और अपने बनाए रास्ते पर चलने वाले तथा सुगमता से अपनी राह पर अग्रसर रहने वाले प्राणी हैं। आप मुसीबत के समय या संघर्षपूर्ण समय में भी पीछे मुड़कर नहीं देखने वाले शीघ्र ही कम समय में सुगमता पूर्वक उचित कार्य को पूर्ण कर लेने वाले हैं। आप अपने भरोसे ही पूर्ण विश्वसनीयता से सभी कार्यों को बिना प्रभावित हुए संपादन करने वाले हैं।

यदि कोई आपके साथ अत्यंत ही उत्तेजना पूर्वक व्यवहार करता है, तब आप भी वैसा ही व्यवहार उसके साथ अवश्य करना चाहते हैं। अपने सिद्धांतों का हनन होते देखकर आप में प्रतिशोधात्मक प्रवृत्ति का जागरण हो जाता है। आप एक सिद्धांतवादी, सदाचारी, विश्वासी, निष्कपट व्यवहार करने वाले व्यक्ति हैं। आप किसी को भी नीति विरुद्ध आचरण करते देख, उत्तेजित हो जाते हैं। अन्यथा आप एक धार्मिक विश्वासी एवं निष्कपट व्यवहार करने वाले हैं।

आप एक सृजनात्मक प्रवृत्ति एवं तीक्ष्ण बुद्धि के प्रगतिशील सृजनकर्ता हैं। आप अपनी संपन्नता एवं उद्देश्य के प्रति सुनिश्चित एवं अधिकृत होकर पूर्ण विश्वसनीयता से अपना लक्ष्य प्राप्त करना चाहते हैं। आप जिस कार्य या लक्ष्य को सुनिश्चित कर लेते हैं, वह पथ कितना भी दुर्गम क्यों न हो कोई भी आपको अपने उद्देश्य से रोक नहीं सकता। आप स्वयं अपने कार्य और उद्देश्य को सुनिश्चित कर आप जिसे उपयुक्त समझते हैं। उसे पूरा करना ही अपना लक्ष्य समझते हैं। आप एक लगनशील और कर्मठ प्राणी हैं। परंतु आप अपने स्वाभाविक गुण एवं अपनी सत्ता के माध्यम से अपने मूल अस्तित्व एवं प्रसारात्मक तरीके से धन संचय कर लेते हैं। आप आवारागर्दी पर अपने धन का अपव्यय करते हैं, जो आपके लिए सर्वथा त्याज्य है। आप हर क्षण अविवेकितता पूर्ण तरीके से अपने द्वारा किए गए अनर्थकारी कार्यों को सत्य प्रमाणित करके संतुष्ट रहने का प्रयास करते हैं। आपके द्वारा अर्थ प्राप्ति के लिए उत्तम कार्य शैली का प्रदर्शन धैर्य पूर्वक एवं योजनाबद्ध तरीके से प्रस्तुत एवं कार्यान्वित किया जाता है। आप अपने बाएं-दाएं निकटतम समर्थक को अपने अधिकार क्षेत्र में संलग्न रखना पसंद करते हैं। आप हर क्षण अपनी सुरक्षा हेतु किसी मित्र की सहायता के लिए तत्पर रहा करते हैं। आप किसी भी क्षण किसी अन्य के हाथों पराजित होना पसंद नहीं करते तथा आपको कोई भी विरोधी पराजित न कर सके। इस भावना से आप संशोधन करने को तत्पर रहते हैं। तथा अपने मित्रों की सहायता करने को प्रस्तुत रहते हैं।

आप में यह विशेष गुण है कि आप संयुक्त परिवार के प्रति पूर्ण रूपेण समर्पित हैं। वास्तव में आप अपने घर को एक पक्षी के घोसले जैसा प्यार करते हैं। अर्थात् आप घर परिवार पर से पूर्ण रूपेण निकट एवं संबंधित रहकर जीना पसंद करते हैं। आप अपने दाम्पत्य जीवन को किसी भी प्रकार से प्रभावित करना या हतोत्साहित करना नहीं चाहते। आपको अपने परिवार के प्रति अत्यधिक झुकाव रहता है। आपके भाई और पारिवारिक अन्य सदस्य आपके मार्गदर्शन पर बिना किसी भी मतांतर के अनुकूल आचरण करते हैं।

आप अत्यंत ही प्रेम करने वाले कामुक प्राणी हैं और विपरीत योनि के प्रति या इस प्रकार के व्यक्ति से आप संबद्ध रहते हैं। स्वाभाविक रूप से जिनका जन्म लग्न या राशि सिंह, तुला एवं धनु है। उनके साथ आपका वैचारिक मेल रहना उपयुक्त है। आपकी जन्मपत्रिका से यह संकेत मिलता है कि आप शारीरिक दृष्टिकोण से चुस्त, दुरुस्त एवं पुष्ट हैं और रहेंगे।

आपकी प्रतिभा की यह विशेषता है कि आपकी उन्नत ललाट और चमकीली आंखें किसी के भी मन की बातों को जान लेने में पूर्ण सक्षम और लक्ष्य भेदन में समर्थ हैं। आप सामान्यतया उत्तम स्वास्थ्य, शक्ति संपन्न एवं किसी प्रकार के रोग से मुक्त रहकर जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे। परंतु आप निश्चित रूप से किसी छोटी दुर्घटना के शिकार होंगे। अस्तु सिर की रक्षा करें तथा सतर्कता पूर्वक वाहन चलाएं। ऐसी आशंका है कि आप यदि सतर्क नहीं रहें तो सिरोवेदना, अग्नि दाह, अनिद्रा आदि रोगों से पीड़ित रहेंगे। अस्तु आपके लिए यह विचारणीय है कि आप सदैव ही अधिक मात्रा में साक-सब्जियों का व्यवहार करें। आप को सदैव यह ध्यान रखना चाहिए कि कार्य प्रारंभ करने के पूर्व पूर्ण रूपेण निद्रा, विश्राम आदि कर चुके हैं तथा तरोताजगी से कार्यारम्भ करें। आपको यह संकेत दिया जाता है कि आप एक समय में कई कार्यों को नहीं कर एक कार्य को ही मनोयोग पूर्वक करें। क्योंकि आप एक ही समय कई कार्यों का संपादन करने की क्षमता रखते हैं और एक साथ विभिन्न कार्यों को संपादन कर धन प्राप्त करते हैं।

आपके लिए विधि, कार्य, तेल का कार्य, भूमि क्रय-विक्रय, पशुपालन, लौह एवं स्टील कार्य, यांत्रिकी कार्य, फैक्ट्री कार्य, चमड़े का कार्य अथवा चर्मोद्योग कार्य उपयुक्त और लाभ जनक है। यदि आपको उपयुक्त योग्यता है तो आप अध्यापन कार्य भी कर सकते हैं।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन हैं। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके भाग्यशाली अंक 9 एवं 1 प्रभावक अंक 4 एवं 8 हैं। 2, 3 और 5 अंक सामान्य परंतु 6 एवं 7 अंक आपके लिए उपयुक्त अंक हैं।

जहां तक संभव हो सके आप लाल, पीला, ताम्रवर्णी एवं स्वर्णरंजित रंग के वस्त्रों एवं वस्तुओं का उपयोग अपने जीवन की अनुकूलता हेतु करें। काले नीले रंग की धातु या वस्त्र कदापि व्यवहार में न लाएं।